१. हे मातृभूमि !

– रामप्रसाद 'बिस्मिल'

हे मातृभूमि ! तेरे चरणों में शीश नवाऊँ ।
मैं भक्ति भेंट अपनी, तेरी शरण में लाऊँ ।।

माथे पे तू हो चंदन, छाती पे तू हो माला;
जिह्वा पे गीत तू हो मेरा, तेरा ही नाम गाऊँ ।।

जिससे सपूत उपजें, श्री राम-कृष्ण जैसे;
उस धूल को मैं तेरी निज शीश पे चढ़ाऊँ ।।

माई ! समुद्र जिसकी पद रज को नित्य धोकर;
करता प्रणाम तुझको, मैं वे चरण दबाऊँ ।।

सेवा में तेरी माता ! मैं भेदभाव तजकर;
वह पुण्य नाम तेरा, प्रतिदिन सुनूँ-सुनाऊँ ।।

तेरे ही काम आऊँ, तेरा ही मंत्र गाऊँ ।
मन और देह तुम पर बलिदान मैं जाऊँ ।।

परिचय

जन्म : १८९७, शाहजहाँपुर (उ.प्र.)
मृत्यु : १९२७, गोरखपुर (उ.प्र.)
परिचय : रामप्रसाद 'बिस्मिल' भारत के महान स्वतंत्रता सेनानी ही नहीं बल्कि उच्च कोटि के कवि, अनुवादक, बहुभाषाविद व साहित्यकार भी थे । आपने देश की आजादी के लिए अपने प्राणों की आहुति दे दी। 'सरफरोशी की तमन्ना...' आपकी प्रसिद्ध रचना है । 'बिस्मिल' उपनाम के अतिरिक्त आप 'राम' और 'अज्ञात' के नाम से भी लेख व कविताएँ लिखते थे ।
प्रमुख कृतियाँ : 'मन की लहर', 'आत्मकथा' आदि ।

पद्य संबंधी

प्रस्तुत कविता में क्रांतिकारी एवं स्वतंत्रता सेनानी कवि रामप्रसाद 'बिस्मिल' जी ने मातृभूमि के प्रति अपने प्रेम एवं भक्तिभाव को व्यक्त किया है । यहाँ आपने मातृभूमि की सेवा करने और देशहित में निछावर हो जाने की लालसा व्यक्त की है ।

कल्पना पल्लवन

'मातृभूमि की सेवा में जीवन अर्पण करना प्रत्येक मनुष्य का कर्तव्य है,' इस कथन पर अपने विचार लिखो ।

शब्द वाटिका

नवाना = झुकाना
शीश = सिर
जिह्वा = जीभ
रज = धूल
बलिदान = प्राणाहुति, निछावर
देह = शरीर

*** सूचना के अनुसार कृतियाँ करो :–**

(१) कृति पूर्ण करो :

मातृभूमि की विशेषताएँ

१. _____
२. _____
३. _____
४. _____

(२) कृति पूर्ण करो :

कवि मातृभूमि के प्रति अर्पित करना चाहता है

(३) एक शब्द में उत्तर लिखो :

१. कवि की जिह्वा पर इसके गीत हों –
२. मातृभूमि के चरण धोने वाला –
३. मातृभूमि के सपूत –
४. प्रतिदिन सुनने/सुनाने योग्य नाम –
५. मातृभूमि के चरणों में इसे नवाना है –

(४) कविता की पंक्तियाँ पूर्ण करो :

सेवा में तेरी ----------;
---------- ।।
---------- ।
---------- बलिदान मैं जाऊँ ।।

भाषा बिंदु

निम्न विरामचिह्नों के नाम लिखकर उनका वाक्य में प्रयोग करो :

। ; ? - ? ! ‘ ’ “ ” —

उपयोजित लेखन

शब्दों के आधार पर कहानी लिखो :

ग्रंथालय, स्वप्न, पहेली, काँच

मैंने समझा

स्वयं अध्ययन

‘विकास की ओर बढ़ता हुआ भारत देश’ से संबंधित महत्त्वपूर्ण कार्यों की सूची बनाओ ।

INVRIE